संपादक : रामस्वरूप मूंदड़ा - 94250 53333

# भारत का पहला वाट्सएप अखबार



उपसंपादक : चंचल झंवर - 98936 04248

# मनचाहे वार्ड से चुनाव लड़ने वालों की होगी नींद खराब

# उच्च न्यायालय ने वार्ड आरक्षण को रद्द किया

इंदौर। वार्डो का आरक्षण अपने अनुकूल मानकर निगम चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कई दावेदारों की नींद खराब होने जा रही है। इंदौर नगर निगम के 85 वार्डो का आरक्षण उच्च न्यायालय ने अवैध घोषित कर रद्ध कर दियाया। अब वार्डों का आरक्षण पुनः होगा तथा हर वार्ड पर चुनाव लड़ने वालों के समीकरण पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। याचिकाकर्ता कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयेश गुरनानी की तरफ से अधिवक्ता श्री विभोर खंडेलवाल ने पैरवी की।

याचिकाकर्ता जयेश गुरनानी ने इस संवाददाता को बताया कि हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों के एक फैसले को कोर्ट करते हुए यह फैसला दिया है अतः अगर सरकार डिविजन बेंच और बाद में सुप्रीम कोर्ट में गई तो भी इस फैसले पर कोई



बदलाव होने की संभावना नहीं है। गुरनानी ने कहा सरकार की यह कोशिश नगर निगमों को प्रजातंत्र से वंचित करेगी एवं आने वाले कई दिनों तक नगर निगम में जनता की सरकार नहीं बन पाएगी। आप ने उम्मीद जताई कि सरकार इस फैसले को स्वीकार कर नए सिरे से वार्ड आरक्षण करवा कर शीघ्र निगम चनाव कराएगी। इसी से निगम में प्रजातांत्रिक सरकारों का गठन हो सकेगा।

# प्राकृतिक वैक्सीन







थामेंगे सपा की साइकिल



# दिग्विजयसिंह ने इंदौर में कहा

# भारत में बच्चा पैदा करने की संख्या पर कोई रोक नहीं लगाई जा सकती, मेरे ही 5 बच्चे हैं

इंदौर। कांग्रेस के विरष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने इंदौर में कहा कि वर्ष 2025 -26 तक हिंदू आबादी और 2028-29 तक मुस्लिम आबादी स्टेबल हो जाएगी। इसलिए हिन्द धर्म को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदौर में धौंस दपटकर सबसे ज्यादा चंदा खोरी की जाती है। चंदा नहीं देने पर देख लेने एवं निपटा देने की धमकियां भी दी जाती है। युवक कांग्रेस अगर ताकत से इन फासीवादी तत्वों के खिलाफ खड़ी हो जाए तो मेरा दावा है कि इंदौर इस चंदा खोरी से मुक्त हो जाएगा।









धारा 370 और 35(A) के बाद एक और फ़ैसला, अब 26 दिसंबर बाल दिवस मनेगा. सरकार ने लिया निर्णय.



प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे ये 5 राजनेता, बेंटे नहीं हासिल कर पाए राजनीति में कोई बड़ा मुकाम



PM Modi ने Kashi Vishwanath के कर्मचारियों को जूट के जूते क्यों भेजें ?



देवी अहिल्याबाई होल्कर की पूरी कहानी



वीडियो देखने



# पाटनीपुरा की पक्की दुकानों के कन्ने भी शीघ्र हटाएगा प्रसाशन



इन्दोर। पाटनीपुरा रोड पर सडक़ पर लगने वाली सब्जी मंडी को शिफ्ट करने की कवायद चल रही है, इसी बीच वहां पाटनीपुरा चौराहे से भमोरी तक की सडक़ पर पक्की दुकान वालों के कब्जे भी कम नहीं है। पूरी सडक़ पर दुकान से 8 से 10 फीट आगे तक सामान फैलाकर रखा जता है, जिससे यातायात जाम होता है।

इस सडक़ के लिए भी कई लोगों ने अपने-अपने बाधक निर्माण खुद तोड़े थे और सबसे पहले सडक़ इस दौरान बनाई गई थी, लेकिन धीरे-धीरे पाटनीपुरा से भमोरी तक की सड़क की हालत खस्ता होती गई और हालत यह हो गए हैं कि सडक़ पर ही सब्जी मंडी शुरू हो गई थी। दो दिन पहले निगम ने सब्जी मंडी (शिसशींरलश्रश ारीज्ञशीं) के व्यापारियों को अन्य

स्थान पर शिफ्ट कराने की योजना बनाई है और इसके लिए क्षेत्र में मुनादी भी की जा रही है। इधर सब्जी बेचने वालों का सर्वे कर उनके नाम-पते दर्ज किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें जगह अलाट की जा सके। अब इस सडक़ पर दुकानदारों के कब्जे भी हटाने के लिए ट्रैफिक पुलिस और निगम

प्लानिंग बनाने में जुटी है।

### सबसे ज्यादा बदतर हालत अनूप टाकीज से भमोरी तक

पाटनीपुरा रोड पर दोनों छोर पर जगह-जगह सडक़ तक फैले कब्जों के कारण यातायात का कबाड़ा होता है, लेकिन अनूप टाकीज (पे िं ढरश्रज्ञळशी) से लेकर भमोरी तक के हिस्सों में सबसे ज्यादा दुकानों के कब्जे सड़कों तक फैले हैं। कई जगह तो ऐसी हैं, 10 से 15 फीट आगे तक दुकानें लगती है और सडक़ किनारे अलमारी, पलंग, फ्रिज जमा दिया जाता है और फुटपाथों पर बैंड की गाडिय़ां खड़ी कर दी जाती हैं।

पूरी खबर पढने के लिए क्लिक करें



# यातायात पुलिस को मिले 200 अतिरिक्त जवान, ट्रैफिक कंट्रोल में काम बढ़ेगा

इंदौर । बेहतर यातायात व्यवस्था पुलिस आयुक्त इंदौर की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक है, इसी कारण उनके द्धारा 200 जवानों का अतिरिक्त बल पुलिस उपायुक्त, यातायात प्रबंधन, महानगर इंदौर को उपलब्ध कराया है।

दिनांक 09.01.2022 को उलब्ध कराये गये अतिरिक्त 200 जवानों को पुलिस उपायुक्त, महेश चंद जैन द्धारा विस्तृत ब्रीफिंग की गई। क्या करना है, और क्या नहीं करना है की स्पष्ट समझाइश के साथ सबको बताया गया कि सामूहिक प्रयासों से हम इंदौर को यातायात के क्षेत्र में भी अनुकरणीय ना केवल बना सकते है, बल्कि बनायेंगे भी।

यातायात प्रबंधन के लिए 6 क्यू.आर.टी. बनाई गई जो शहर के विभिन्न चौराहो पर पहंचकर रेड सिंग्नल का उल्लंधन करने वाले, तेज गति से वाहन चलाने वाले, मोटर साईकल के साईलेंसर में फटाखा जैसी आवाज सेट करने वाले चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करेगी । प्रत्येक टीम का प्रभारी सूबेदार यातायात को रखा गया है। एक टीम में 10 सदस्य रहेगे।

सभी आम जनता से अपील है कि चौराहों पर स्टाप लाईन का पालन करें, तेज गति से वाहन ना चलावें, तीन सवारी ना बैठे, रांग साईड ना चले, लेफट टर्न को बाधित ना करें। उल्लधंन करने वालो पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

# बैठक में शिक्षा मंत्री ने कहा- 8वीं तक के स्कूल बंदु कराइए; CM बोले- अभी दो-तीन दिन रुको

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को समीक्षा बैठक में कहा है कि प्रदेश में फिलहाल पाबंदियां नहीं बढ़ाई जाएंगी। बच्चों के स्कूल बंद होंगे या नहीं, इसका फैसला भी दो-तीन दिन के लिए टाल दिया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल कोरोना के जो आंकड़े सामने आ रहे हैं,

उस हिसाब से सख्त कदम उठाने की जरूरत नहीं है। मास्क लगाने को लेकर सख्ती बढ़ाई जाए। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आठवीं तक के स्कूल बंद कराए जाएं। इस पर सीएम बोले- इसके लिए अभी दो-तीन दिन इंतजार करना चाहिए।

प्रेषक - प्रतीक तागड़, इंदौर



मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे भोपाल वैक्सीनेशन सेंटर पर



इंदौर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक, कई मुद्दों पर हुई बात!







# ओमिक्रॉन के बाद अब साइप्रस में मिला नया वेरिएंट डेल्टाक्रॉन

कोविड के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट से ही जुझ रही है। इस वीच साइप्रस में एक नए वेरिएंट का पता चला है जो डेल्टा और ओमिक्रॉन का मिलाजुला रूप है। साइप्रस युनिवसिंटी में शोधार्थियों ने इस नए वेरिएंट का पता लगाया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि डेल्टाक्रॉन का जेनेटिक वैकग्राउंड डेल्टा वेरिएंट के समान है। साथ ही इसमें ओमिक्रॉन जैसे कुछ म्युटेशन भी हैं। इसीलिए इसे 'डेल्टाक्रॉन' कहा गया है। इस नए वेरिएंट को अभी तक वर्ल्ड हेल्थ ऑगंनाइजेश या अन्य इंटरनैशनल संस्थाओं से आधिकारिक तौर पर स्वीकृति नहीं मिली है।

साइप्रस यूनिवर्सिटी में वायोटेक्नोलॉजी और मॉलिक्युलर वायरॉलजी लैंव के प्रमुख



रविवार को स्कूली छात्राओं का समूह ताजमहल देखने पहुंचा। कोविड के

### ओमिक्रॉन के फैलने की रफ्तार डेल्टा से 105% से भी ज्यादा

 ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा के मुकावले 105 फीसदी से अधिक संक्रामक हो सकता है। फ्रांस वैज्ञानिकों द्वारा की गई

रिसर्च में यह दावा किया गया है। वैज्ञानिकों ने 131478 सैंपल्स पर यह स्टडी की। उन्होंने 21 दिनों ओमिक्रॉन, तक अल्फा और डेल्टा

के मकाबले ओमिकॉन या अल्फा से संक्रमित होने की गुजाइश अधिक

युवाओं में डेल्टा

# फिर ना लग जाए लॉकडाउन, कारोबारियों में बढ़ने लगा डर

प्रियंका सिंह, नई दिल्ली

दिल्ली में वढ़ते कोविड के मामलों के साथ कारोवारियों के हाथ-पैर फूलने लगे हैं। पहले ही वीकेंड कर्फ्यू और ऑड-ईवन नियम की वजह से दकानदारों को काफी दिक्कत हो रही है। ऐसे में उन्हें यह डर सताने लगा है कि जिस तरह से आंकड़े वह रहे हैं, कहीं सरकार लॉकडाउन ना लगा दे।

उत्तम नगर हनुमान मंदिर के प्रधान डॉ. भृषण चौहान का कहना है कि पिछले दो साल से कारोवारियों के साथ अत्याचार ने का है। क्यी कार्टेड का कार्टी क्या

वीकेंड कर्फ्यू और ऑड-ईवन के नियम ने बढ़ाई चिंता कारोबारियों का कहना है कि दुकान खुलना है जरूरी, बिना इसके कैसे होगा गुजारा

है। पहली लहर और दूसरी लहर में समझ खड़े हो जाते है। जब से ऑड-ईबन का भी आमा कि मार्केट कंब करवा करती भा

वाद भी इनके वारे में सोचा नहीं जा रहा जविक हॉकर के पास खरीदार झुंड वनाकर

### जटिलताओं को नजरअंदाज करते हुए लड़िकयों की उम्र सीमा 21 वर्ष कर देने से नई उलझनें पैदा होंगी

# शादी की उम्र बढाने में हैं कई अडचने



बढ़ाकर 21 साल करने से जुड़ा किल लोकसभा में पेश किए जाने के बाद संसद की उटेडिए कमिटी जुड़ा एक मामला सुप्रीम कोर्ट में भी है। एक बात

पह भी भीर करने पाली है कि लड़की की शादी की न्यूनतम उम्र पर धारम-धारम पर्मानत लो में अतन-धारम प्राचना है। साथ ही शारीरिक संबंध और सहगति को लेकर भी कई विगेषाश्वस है। जाहिर है, इस प्रस्ताव ने एक माथ कई उटिल मसले छेड़ दिए हैं। दरध्याल जय जेटली समिति की सिफारिश के आधार पर यह बिल लागा गया है। समिति को देखना या कि शादी और मातृत्व की उम्र का मां और नवजात शिशु के स्वास्थ्य, प्रजनन दर, मातृ प्राचारर जिला तीविक असवात आदि से कैसा

उम्र चे 18 से 21 खल हो जाएगी। मेकिन हिंद मेरिज एक्ट 1955 के तहत होने वाली छाटी में अस लड़की की उम्र 16 साल से कम है तो जो यह शादी अमान्य नहीं है। इसके तहत प्रावधान है कि अवर कियों की उम्र 18 मान् से कम है और उसकी शादी कराई जाती है तो शादी के बाद वालिए होने पर लड़की चाहे तो शादी को अम्रान्य घोषित करने के रिका अलेहन दे सकती है। अगर यह अचाना घोषित करने की मुहार नहीं लगाती है तो यह शादी मान्य हो जाती है। चनी नानासिय सहस्री निसमी उम्र 15 सल से जपर है उसकी हिंदू मैनिज एक्ट के तहत हुई शादी अमान्य नहीं बरिक अमान्य करार दिए जाने योग्य होती है। इससे अलग महिलम पर्मनल लॉ के तहत जब लड़को प्यूच्टी क लेती है यानी शारीरिक तीर पर शादी के योग्य हो जाती है तो उसकी



दर्ज होगा। लेकिन उसकी उम्र अगर १६ माल से ज्यादा है और शारीरिक संबंध के लिए उसकी महमति है तो फिर संबंध बनाने ताले के खिलाक रेप का किस नहीं हो सकता। अन यहां सवाल यह है कि अवर लड़की की गादी को न्यूनतम उस 21 साल की जा रही है तो क्या लारोपिक संबंध कराने के लिए सहस्रति देने की न्यूनतम उम्र 18 साल ही बनी रहेगी या उसे भी 21 साल किए जाने की जरूरत है? ऐसे ही धनर नावातित्र हिंदू लड़की हाई की असान्य करार दिलाना चाहे तो वह 18 सल की उम्र होने पर आवेदन करेगी या 21 की उम्र आने के बाद 7 अगर 18 माल के बाद भी बह ख़दी को अमान्य करार नहीं दिलाती है तो

🔳 कानून से बाहर बनते रिश्ते

## दाम बढ़े गैस के और उबल पड़ा कजाकिस्तान

1991 में नजरबायेव के सत्ता में आने बाद कजाकिस्तान ने खुब तरक्की की। लेकिन यह समृद्धि वहां की जनता को नहीं, बल्कि नजरवायेव के करीबियों को मिली



पर जहां दुनिया जरन मना रही थी, वही कजिस्तान में नर्र राजनीतिक उठापटक की तैयारी हो रही थी। 1 जनवरी 2022 को

ने एलपीजी दामों को पूरी तरह से सन्सिडी क्री कर दिख। इसके बाद वहां के लोग सहकों पर उतरे और देखते-देखते यह विरोध हिंसक प्रदर्शन में बदल गया, जिसमें अभी तक 100 से ज्यादा मीते हो चकी है।

पिछले कुछ दिनों में ही कजाकिस्तान



इस्तीफा दे दिया कि वह नई पीढ़ी के नेताओ

को मौका देना चाहते हैं। इसके बाद कसीम-जोमातं तोकायेव रहष्ट्रपति बनाए गए। सरकार से इस्तीफा देने के बावजूद नजरबायेव 'त्रीडर ऑफ नेशन' वने रहे। इसके चलते उनके खिलाफ कोई कानूनी कारवाई नहीं हो सकती।

जनवरी 2022 से इसे पूरी तरह हटा दिया गया। तकं था कि इससे घरेल् बाजार में आपूर्ति बहेगी और पुरानी कमी को दूर करने में मदद मिलेबी लेकिन नतीवा विलक्त उत्तर हुआ। बीमते रातो-रात दोगुनी होनी शुरू हो गई। ये कीमते बद्धकर 120 टेज प्रति लीटर तक पहुंच गई।

कीमतों के वहने पर लोगों को हर लगने लगा कि व्याने-पीने की चीजों के दाम करेंगे साथ में गरीबी भी। रॉयटर्स के मताबिक, आर में असमानता के चलते कजाकिस्तान में पिछले साल मुद्रास्फीति साल-दर-साल बेसिस पर 9 प्रतिशत रही, जो पांच वर्षों में सबसे अधिक है। फिर कोरोना ने भी अटैक किया। एक तरफ लोग इन कठिनाइयों से जुड़ा रहे थे, दूसरी तरफ लोकतंत्र का न होना भी उन्हें साल रहा था आरोप है कि 2019 में हुए राष्ट्रपति चुनावों में जमकर धांधली भी हुई।

इन सबके मिले-जुले नतीजे के रूप में यह स्थिति आई है कि पहली बर लोग खुलकर

### युपी के नए मुख्य सचिव ने कार्यभार संभालते ही ग्राम पंचायतों को गोवंश संरक्षण का टारगेट दिया

 लच्छानकः यूप्ते में छुट्टा पण् यद्री सम्बन्ध वन परे हैं। एक उपक वी उनके जीए कियानी की फसल का नुकरतन हो। यहाँ हैं से दूसरी तरफ सांड लोगों की जान का रातर जन रहे हैं। इसी के महेनवा प्रमानवदी पार्टी (एएपी) की ओर से नादा किया गया कि सर्वत की वजर से किसी की मीत होने पर उसके परिवारीकन को एसपी सरकार पांच लाख रुपये की आर्थिक स्वट रेगी। पार्टी का तक है कि बोगी एस में न फससें सुरक्षित हैं न किसी की जान। नए मराग मचिन का कार्गभार संभातने ही दर्श पांचने के लिए अभिगान चलाने के सक्षा



क्यों बढी

इस बारे ने सामान्य करणा यही है कि प्रदेश सरकार ने अदीव करान बंद करने के नाम पर ज्यादावर की रोक दिया लेबिना इस पर खुलक कोई भारी बोलना पादता। वहीं एक पक्ष में भी है कि संस्था लगतार ब रही है। इसकी कम्ह है कि अब बैलों है कि खड़ों की संख्य बब रही है। इस बारे में किन्तानों वह वहना है कि रिया सरकार ने पशुओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की है। गोशालाओं में चारा नहीं दे गा रहे। वहां गायें मर रही हैं। किसान तो रात-रात भर जागकर पहरेदारी कर रहे हैं। उसमें जानवर उन पर हमला कर दे रहे हैं। शहरों में भी रोड एक्सीडेंट की घटनाएं बढ़ गई हैं। गरीब किसानों के लिए तारबंदी की व्यवस्था भी सरकार को करनी चहिए। आब दोगुनी करने का वादा करने वाली सरकार किसान को मजबूर कर रही है कि वे अपनी खेती उद्योगपतियों के हवाले कर - राजपाल कश्चप अध्यक्ष, रम्माजवादी पिछडा वर्ग प्रकोप

किसी भी युग में किसी सरकार ने गोवंश के भरण पोषण के लिए राजकोप से आज तक एक भी रुपया गरी दिख। योगी जी के नेक्स वाली ये पहली सरकार है जो मोशालाओं में गार्खे के संरक्षण के साथ ही 900 रूपया घर पर गोपालन के लिए दे रही है।

## दोनों ओर ही चल रही है 'फतवा फैक्ट्री' सूर्य नमस्कार को 'गैर इस्लामी' करार देने के बाद एक बार फिर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड विवाद में है। केंद्रीय



अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बोर्ड को फर्जी फतवा जारी करने वाली फैक्ट्री करार दिया है। दूसरी ओर 'धर्म संसद' भी चर्चा में है। पहले हरिद्वार और फिर रायपुर में हुई धर्म संसद का विवाद अभी ठंडा भी नहीं हुआ कि अलीगढ़ में एक और 'धर्म संसद' की घोषणा हो गई। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और धर्म संसद के बारे में बता रहे हैं *नदीम* और *विकास पाठक* :

### शरीयत का निगहबान पर्सनल लॉ बोर्ड

में मुसलमानों की सर्वोच्च शामिक संस्था भी कहा जाता है, मुस्लिम पसंनल लॉ को सुरक्षित रखने के लिए गठित एक गैर सरकारी संस्था है। दरअसल मुसलमानी का पर्सनल लॉ शरीयत के अधीन है और

मस्लिम धर्म शरीयत के अनुरूप चलता हैं। सवाल हो सकता है कि शरीयत क्या है? करान में जो कुछ भी कहा गया है, उसका सार शरीयत है। इस्लाम में करान को आसमानी किताब काय जाता है। अल्लाह के जो तक्य है उसका संग्रह करान हैं और इस्लाम धर्म के मानने ाला का उसमें किसा भी तरह

का बदलाय स्वीकार नहीं है। पसंनल लॉ बोर्ड की स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी। उसकी स्थापना की वजर यह थी कि बच्चों को गोट लेने के लिए बने कानन में बदलाव के लिए तब केंद्र सरकार एक विशेषक ला रही थी। उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और विभि मंत्री थे एचआर गोखले। मुस्लिम पर्सनल लों में किसी बच्चे को गोद लेने की कोई वैश्वता नहीं है। परवरिश की नजर से तो बच्चे को गोद लिया जा सकता है. लेकिन गोद लेने नाले प्राना-पिता का नाप उसे नहीं प्रान

अधिकार नहीं बनता। इस संशोधन कानून के बारे में उस समय के उलेमा को लगा कि इसके जरिए इस्लाम धर्म के अनुवायियों पर बच्चे को गोट लेने के प्राचधान लाटे जाएंगे जो शरीयत के खिलाफ होगा। सरकार की इस पहल के खिलाफ सारे उलेमाओं की

नजरबायेव कजाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति बने

और मार्च 2019 तक बने रहे। तब से अब तक

कजाकिस्तान में लोकतंत्र दिवेलप नहीं हो सका।

तेल और गैस के उत्पादन के चलते 1991 में

नजरबायेव के सत्ता में आने बाद कजाकिस्तान

ने आधिक तौर पर खुब तरक्वी की। लेकिन यह

समृद्धि वहां की जनता को नहीं बल्कि नजरबायेव

वहां एक तरह से नानाशाही सिस्टम है।

सरकार में अपने कदम वापस से लिए थे, सेकिन उसी से यह बात निकली कि शरीयत में हस्तक्षेप करने की कोशिशे आगे भी हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि कोई ऐसी संस्था हो, जो इस पर सतत निगरानी रख। इसा विचार के आधा पर अप्रैल 1973 में ऑल इंडिया मुस्लिम पसंनल लॉ

जुटान हुई। उस वक्त तो

बेर्ड की नीव पड़ी। यह बोर्ड शिया- सुन्ती और सन्नियों में जितनी शाखाएं हैं, उन सबकी नुमाइंदगी करता है। उनके प्रतिनिध बोर्ड के सदस्य होते हैं। बतीर सदस्य हाल के वर्षों में इसमें महिलाओं की नुमाईदगी बद्धाई गई है। अक्सर विवादों में रहने के बावजूद इसके खाते में कई अच्छे काम भी दर्ज है। बोर्ड कन्या भूण हत्य, शादियों में दहेज और दूसरे गैर जरूरी खर्च के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चला रहा है।

### विवेकानंद और आज की धर्म संसद

और उनसे जुड़े मसलों पर नीतिगत निर्णयो के लिए चर्म संसद होती है। वर्ष 1893 में समृद्र पर विश्व धर्म संसद शिकागो में हुई थी। स्वामी विवेकानंद्र ने चर्म संसद के जरिए दनिया को सहनशीलता और सार्वभौषिक स्वीकृति का पाठ पहाणा था। उनका संदेश

था कि जिस तरह अलग-अलग समुद्र में जाकर मिल जाती हैं, उसी तरह मनाय बोर्ड भी मार्ग थने, ये चाहे सीचे हो या टेवे-मेंबे लगें. सभी भगवान तक ही जाते है। सांप्रदायिकता, कडरता और हटधर्मिता ने धरती को हिसा सं चर दिखं है। शिकागा की धर्म संसद के करीब सवा

मौ साल बाद आज देश के अलग-अलग राज्यों में हो रही धर्म संसदी के स्वर बदलने लगे हैं। काशी विद्रत परिषद के मंत्री प्रो. रामनारायण दिवेदी साफ कहते है कि शंकराचार्यें, धर्माचार्यें के साथ ही विद्वानी की ओर से आयोजित होने वाली धर्म संसद का उद्देश्य धर्म कार्यों के बारे में नीतिगत निर्णय लेना और शास्त्रों के आभार पर समाज को नहं दिशा देना होता है। धर्म संस्ट में चर्माचार्य विचार-विमर्ग करके तथ करने हैं कि शास्त्रों में दी गई व्यवस्था को

किया जा सकता है। काशी विश्वनाथ मंद्रि ऱ्यास के ट्रस्टी पं. दीपक मालवीय कहते हैं कि शिकामों में स्वामी विवेकानंद के भागा में मात्र हो जाता है कि भागे मंगर के क्या उद्देश्य हैं। हिंदू धर्म में सबके सुख-हित की कामना पर जोर है। ऐसे में हिंद्

श्रम संसद में सिकं और सिकं उसी पर चर्चा होनी चाहिए अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेदानंद सरस्वती के अनुसार 'हिंद ममाज और हिंदल्य पर होने वाले हमले का विरोध करना संत समाज को जिम्मेदारी है और इसक लिए उचित मंच है।' धर्म संसद

इन दिनों इस वजह से चर्चा में है कि उसके मूल में राजनीतिक विषय अधिक समाहित हो गए हैं। धर्म संसद से जिस तरह के संदेश निकलकर आ रहे हैं. वे धार्मिक कम, राजनीतिक विचारधारा से ज्यादा ओत प्रोत सम रहे हैं। यही बजह है कि इनको लेकर विवाद भी वह रहा है। इस तरह की चर्म संसदों को लेकर संतों की राय यही है कि धर्म संसद ज्यादा से ज्यादा हो, इसमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वे धर्म केंद्रित ही हो।

# पहली लहर में पीक पर 2,607 केस थे, तो दूसरी लहर में 13,601 मामले

# मप्र : तीसरी लहर में पीक पर 1.52 लाख एक्टिव केस की है आशंका

विजय सिंह बघेल • भोपाल

मो.नं. 9826968651

प्रदेश में अब जल्द ही तीसरी लहर आने की आशंका जताई जा रही है। पीपुल्स समावार दिसंबर को

77 केस आने के बाद से लगातार मामले बढ़ते जा रहे हैं। 26 मई के बाद पहली बार रविवार को प्रदेश में 2040 केस मिले हैं। प्रदेश में पहली वेव के पीक पर सर्वाधिक 2607 मामले आएथे। सेकंड वेव में 19 फीसदी ज्यादा यानि 13601 केस पीक पर मिले थे। दूसरी लहर के दौरान संक्रमण दर 25.3% पर पहुंच गई थी। अब थर्ड वेव के पीक पर 19 हजार केस रोजाना आने की आशंका है। भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा लगाए गए अनुमान के मुताबिक मप्र में तीसरी लहर के पीक पर एक्टिव केस 1.52 लाख तक पहुंच जाएंगे। ■ **फर्ट वेव**ः सबसे ज्यादा २६०७

केस 19 सितंबर को मिले थे। सबसे कम केस 10 फरवरी को

141 थे। 🗷 गर्मा रूप १०२० प्रस्थित देग

### चेन्नई जैसे हमारी सड़कें भी सुनी न हों इसलिए सतर्क रहें



कंटेनमेंट जोन में संक्रमित कर रहा था शराब पार्टी

रतलाम । यहां नयागांव में कंटेनमेंट बनाए गए एक घर में कोरोना संक्रमित नारायण दोस्तों के साथ शराब पार्टी करता पकडा गया। जब नायब तहसीलदार ने घर पर छापा मारा तो बोला कि मैं नहीं पी रहा था, दोस्त पी रहे थे। प्रशासन ने संक्रमित के खिलाफ धारा 188 के तहत केस दर्ज कराने के बाद उसे आइसोलेशन

वार्ड में शिफ्ट करा दिया है।

### रोजाना १५ हजार लोगों को

रविवार को चेन्नई में लॉकडाउन के दौरान सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा।

गत 26 फरवरी को कोरोना के 30 मरीज मिलने के बाद से लगातार रफ्तार बढ़ रही है। तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए माना जा रहा है कि एक महीने बाद प्रदेश में हर दिन करीब 15 हजार लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ सकता है। यह आंकड़ा तीसरी वेव के अनुमानित पीक ਨੀ ਸਮੀਤ ਕੱਤਰਾ ਨਾ 10 ਲੀਕਟੀ ਹੈ।

होना पड़ सकता है भर्ती

### देश में ५ लाख ८४ हजार एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1 लाख 59 हजार ४२४ नए केस आए हैं। ३२७ लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा महाराष्ट्र में 41,434, दिल्ली में 20, 181 और बंगाल में 18,802 संक्रमित मिले हैं। टॉप 10 राज्यों में ही 1.26 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं। देश में कुल एक्टिव केस का

ਸ਼ਹਿਲਤਾ ਵ ਕਰਤਰ ਹੁਤ ਦਾਜ਼ਾਤ ਵਰਨ ਹੈ।

- सुप्रीम कोर्ट के 4 जज संक्रमित हो गए है। कोर्ट के १५० स्टाफ क्वारेटाइन किया गया है।
- लोकसभा सांसद वरुण गांधी भी कोरोना पॉनिटिव हो गए हैं।
- खरगोन में कांग्रेस नेता अरुण यादव कोरोना पॉनिटिव हो गए हैं।
- बुरहानपुर के कलेक्टर प्रवीण खिह

# ओलों से हजारों हेक्टेयर में फसलें बर्बाद

पीपल्स संवाददाता 🔵 टीकमगढ/ निवाडी/ सागर/ ग्वालियर

editor@peoplessamachar.co.in

ओलावृष्टि से डबरा-भितरवार के 38, भिंड जिले के दबोह एवं आलमपुर क्षेत्र के 17 और शिवपरी क्षेत्र के दो दर्जन गांवों में सरसों, चना, मटर को भारी नुकसान की खबर है।कृषि विभाग ने 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक नुकसान का आकलन किया है। भितरवार में प्रारंभिक आकलन के हिसाब से 3 हजार हेक्टेयर वाले 15 गांवों में फसल ओलावृष्टि से प्रभावित हुई है। डबरा अनुविभाग के 23 गांव प्रभावित हुए हैं।वहीं निवाड़ी में बारिश के साथ जिले के कई गांव ओलावृष्टि से भी प्रभावित हुए हैं। मटर, चने, सरसीं, मसुर, गेहुं, मिर्च, गोभी, बैंगन और टमाटर की फसलों को काफी क्षति हुई है। निवाड़ी क्षेत्र के साथ आसपास के कई गांवों में फसलें प्रभावित हुए हैं। सागर में बंडा, सागर, देवरी, केसली, गौरझामर सहित अन्य क्षेत्रों में ओला वृष्टि से फसलें बर्बाद हो गई है। बीना में ओलावृष्टि





हिन्दी भाषा को लेकर ये वीडियो हमारी गलती भी बताएगा।

प्रेषक:

राजेन्द्र असावा, इंदौर



मनोज मुंतशिर ने बताया कि तुलसीदास जी की रामायण में शायद कुछ छूट गया... निर्दोष थे राम प्रेषक: सतीश राठी, इंदौर

कसाई के पीछे घिसटती जा रही बकरी ने सामने से आ रहे सन्यासी को देखा, तो उसकी उम्मीद बढी. मौत आँखों में लिए वह फरियाद करने लगी महाराज! मेरे छोटे-छोटे मेमने हैं. आप इस कसाई से मेरी प्राण-रक्षा करें. मैं जब तक जियूंगी, अपने बच्चों के हिस्से का दुध आपको पिलाती रहँगी. बकरी की करुण पुकार का सन्यासी पर कोई असर न पड़ा. वह निर्लिप्त भाव से बोला मूर्ख बकरी, क्या तू नहीं जानती, कि मैं एक सन्यासी हूँ. जीवन-मृत्यु , हर्ष-शोक मोह-माया से परे. हर प्राणी को एक न एक दिन तो मरना ही है. समझ ले कि तेरी मौत इस कसाई के हाथों लिखी है. यदि यह पाप करेगा, तो ...

ईश्वर इसे भी दंडित करेगा. मेरे बिना मेरे मेमने जीते-जी मर जाएंगे. बकरी रोने लगी. नादान ! रोने से तो अच्छा है कि ... तू परमात्मा का नाम ले. याद रख, मृत्यु नए जीवन का द्वार है. सांसारिक रिश्ते-नाते प्राणी के मोह का परिणाम हैं. मोह .. माया से उपजता है. माया .. विकारों की जननी है. विकार .. आत्मा को भरमाए रखते हैं. बकरी निराश हो गई. सन्यासी के पीछे आ रहे कृत्ते से रहा न गया. उसने पूछा सन्यासी महाराज ! क्या आप मोह-माया से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं ? सन्यासी ने जवाब दिया बिलकुल भरा-पूरा परिवार था मेरा. सुंदर पत्नी, सुशील भाई-बहन

## आत्म मूल्यांकन

जमीन-जायदाद. मैं एक ही झटके में सब कुछ छोड़कर स्वयं को कष्ट देता है जीव. परमात्मा की शरण में चला आया. सांसारिक प्रलोभनों से बहत ऊपर. मोह-माया का यह निरर्थक संसार छोड़कर आया हूँ. जैसे कीचड में कमल. सन्यासी डींग मारने लगा. कृत्ते ने समझाया आप चाहें तो ... बकरी की प्राणरक्षा कर सकते हैं. कसाई आपकी बात नहीं टालेगा. एक जीव की रक्षा हो जाए, तो कितना उत्तम हो. सन्यासी ने कुत्ते को जीवन का सार समझाना शुरू कर दिया. मौत तो निश्चित ही है, आज नहीं तो कल, माता-पिता, चाचा-ताऊ, बेटा-बेटी, हर प्राणी को मरना है.

इसकी चिंता में व्यर्थ सन्यासी को लग रहा था, कि वह उसे संसार के मोह-माया से मुक्त कर रहा है. अभी सन्यासी अपना ज्ञान बघार ही रहा था, कि तभी ... सामने एक काला भूजंग नाग फन फैलाए दिखाई पड़ा. वह सन्यासी पर न जाने क्यों कुपित था. मानों ठान रखा हो कि आज तो तुझे डसूँगा ही. साँप को देखकर सन्यासी के पसीने छूटने लगे. मोह-मुक्ति का प्रवचन देने वाले सन्यासी ने कुत्ते की ओर मदद के लिए देखा. कुत्ते की हंसी छूट गई. सन्यासी महोदय !

मृत्यु तो नए जीवन का द्वार है. उसको एक न एक दिन तो आना ही है, फिर चिंता क्या ? कुत्ते ने सन्यासी की सीख दोहराई. अपना ही उपदेश भूलकर ... सन्यासी गिडगिडाने लगा. कृत्ते ने उसकी ओर ध्यान न दिया. कृते ने चुटकी ली आप अभी यमराज से बात करो. जीना तो बकरी भी चाहती है. इससे पहले कि कसाई उसको लेकर दूर निकल जाए, मुझे अपना कर्तव्य पूरा करना है. इतना कहते हुए कुत्ता छलांग लगाकर नाग के दूसरी ओर पहुँच गया. फिर दौड़ते हए कसाई के पास पहँचा, और ... उस पर टूट पड़ा. आकस्मिक हमले से कसाई संभल नहीं पाया और घबराकर इधर-उधर भागने लगा. बकरी की पकड़ ढीली हुई, तो वह जंगल में गायब हो गई. कसाई से निपटने के बाद कुत्ते ने

सन्यासी की ओर देखा. सन्यासी अभी भी 'मौत' के आगे काँप रहा था. कृत्ते का मन हुआ कि सन्यासी को उसके हाल पर छोड़कर आगे बढ जाए, लेकिन मन नहीं माना. वह दौडकर विषधर के पीछे पहँचा, और पूँछ पकड़ कर झाड़ियों की ओर उछाल दिया. सन्यासी की जान में जान आई. वह आभार भरे नेत्रों से कृत्ते को देखने लगा. कुत्ता बोला महाराज, जहाँ तक मैं समझता हँ, मौत से वही ज्यादा डरते हैं, जो ... केवल अपने लिए जीते हैं. जीवन का समय-समय पर आत्म मूल्यांकन बहत जरूरी है. हम संसार से छल कर सकते हैं, लेकिन स्वयं से नहीं छुपा सकते. इसलिए ... अपने हर कार्य को अपने अंतर्मन की कसौटी पर कसते रहना चाहिए. जो नियमित रूप से ऐसा करते रहते हैं उनमें , उनके अंदर का ईश्वर

जागत रहता है. जिस दिन हम स्वयं से मुँह फेरने लगते हैं, उस दिन से पतन का आरंभ हो जाता है. जो सिर्फ अपनी चिंता करें वैसे इंसान और पशु में क्या फर्क रहा. गेरुआ पहनकर निकल जाने या कंठी माला डालकर प्रभ् नाम जपने से कोई प्रभु का प्रिय नहीं हो जाता. जिसके मन में दया और करूणा नहीं उसे तो ईश्वर भी नहीं पूछते. धार्मिक प्रवचन उन्हें उनके पाप बोध से कुछ पल के लिए बचा ले जाते हैं. जीने के लिए संघर्ष अपरिहार्य है. संघर्ष के लिए विवेक, लेकिन मन में यदि करुणा-ममता न हों तो ये दोनों भी आडंबर बन जाते हैं.

हेमंत गट्टानी, इंदौर

# वीडियो जरा हट के

# नए-पुराने यादगार वीडियो...



अमिताभ बच्चन का खई के पान बनारस वाला अंदाज आज भी लोग याद करते हैं।

प्रेषक: देवेन्द्र ईनाणी, इंदौर



आज का दिन हम उन लोगों को समर्पित करते हैं। जिन्होंने हमें धन्यवाद देने का मौका दिया।

> प्रेषक: कैलाश काबरा, ग्वाहाटी



हमीद वालिया थोड़ी अलग सोच के तबला वादक हैं। फिल्मी गानों पर उनका तबला वादन आनंद देने वाला है। एक एक ताल लाजवाब है। फिल्म ज्वेल थीफ का ये सदाबहार गाना और उस पर जोशीला तबला वादन आपके दिन की अच्छी शुरुआत करेगा

प्रेषक : सतीश राठी, इंदौर

### कृपया ध्यान दें: प्रत्येक खबर को पूरा पढ़ने के लिए कृपया हेडलाईन पर क्लिक करें।

सहयोगी - राजेंद्र असावा - 98270 53388, देवेंद्र ईनानी - 94794 00955, सुधीर दांडेकर - 94250 60003, कैलाश यादव - 94250 59766, प्रतीक तागड़ - 99932 99609 अरविंद उपाध्याय - 98267 26686, सौरभ खण्डेलवाल - 94250 - 52222, सोनू गौर - 99773 55111, युवराज द्बे - 955758 00005, नम्रता कचोलिया - 97555 95550 साभार : बीबीसी, दैनिक भास्कर, नईद्निया, पत्रिका, प्रजातंत्र, पीपुल्स समाचार, टाईम्स ऑफ इंडिया, हिन्द्स्तान, नवभारत टाईम्स, यूट्यूब सहित टीवी चैनलों का.